# उपराष्ट्रपति, भारत

## संदेश

अरूणाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री और एक प्रतिष्ठित, अत्यंत लोकप्रिय तथा राज्य की जनता से अत्यधिक सम्मान प्राप्त करिश्माई नेता श्री दोरजी खांडू के दु:खद देहान्त के बारे में जानकर मुझे गहरा दु:ख हुआ है। अपने राजनीतिक जीवन के साथ-साथ सार्वजनिक जीवन में व्यतीत किए वर्षों के दौरान उन्होंने राज्य तथा इसकी जनता के चहुंमुखी विकास के प्रति अपनी अनुकरणीय निष्ठा और समर्पण भावना प्रदर्शित की है।

श्री  खांडू का यह मानना था कि समाज की वास्तविक खुशहाली केवल भौतिक विकास द्वारा नहीं बल्कि इसकी जनता के मानवीय विकास से  मापी जा सकती है। उनकी 'जनता सर्वोपरि' नीति का मुख्य बल शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्रों पर था और यह नीति विकास के लाभों का न्यायसंगत वितरण करने के उद्देश्य से बनाई गई थी।

मैं नवम्बर, 2008 में राज्य में की गई अपनी उस यात्रा को प्रेमपूर्वक याद करता हूं जब मुझे व्यक्तिगत तौर पर उस अद्भुत प्रेम और सद्भावना को प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर प्राप्त हुआ जो श्री खांडू को प्राप्त था। उन्हें उनके समर्पण और जनसेवा के लिए हमेशा याद किया जाएगा।

मैं और मेरी पत्नी उनके शोकसंतप्त परिवार के सदस्यों, बड़ी संख्या में उनके प्रशंसकों और मित्रों को अपनी हार्दिक संवदेनाएं प्रेषित करते हैं।  हम ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि वह उन्हें इस भारी दु:ख को सहन करने के लिए शक्ति और साहस प्रदान करे।

ह./-

(मो. हामिद अंसारी)

नई दिल्ली
5 मई, 2011